लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद,हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

कार्तिक शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी 4.16 उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2079

अमृत विचार

वर्ष 3, अंक 357, पृष्ठ 16, मूल्य: 6 रुपये

एक सम्पूर्ण अखबार

बुजुर्गों की समस्या को उठाता 'हाय हैंडसम'

अमृत विचार, बरेली

बयां किया दर्द

- एसआरएमएस रिद्धिमा की ओर से छह दिवसीय इंद्रधनुष महोत्सव का हुआ समापन
- कोलकाता के कलाकारों ने नाटक का शानदार मंचन किया तालियों से दर्शकों ने किया अभिनंदन

श्री राममूर्ति स्मारक रिद्धिमा में दूसरे थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष रंग महोत्सव के आखिरी दिन रविवार को कोलकाता के यूनिवर्सल लिटिल थिएटर की ओर से नाटक ''हाय हैंडसम'' का मंचन किया गया। परिस्थितियों पर हास्य बिखेरता यह नाटक परिवार और बुजुर्गों की समस्या उठाते हुए ट्रेजेडी पर समाप्त होता है। नाटक एक मिलिट्री अफसर कर्नल कपूर की फैमिली की कहानी है, जो विधुर है। उनका एक सीधा साधा बेटा है, जिसने मॉडलिंग करने वाली एक लड़की मंदा से प्रेम विवाह किया है।

रिद्धिमा में हाय हैंडसम नाटक का मंचन करते कलाकार।

मंदा अपने कैरियर पर ध्यान देना चाहती है, लेकिन कर्नल कपूर चाहते हैं कि वो अपना परिवार संभाले। मंदा की मां सीता देवी भी विधवा हैं। वो भी मंदा की आदतों से परेशान रहती हैं। कपूर साहब और सीता देवी दोनों की हालत एक जैसी है। बच्चों का अपने मां बाप की तरफ ध्यान नहीं देने से दोनों अकेले हो गए हैं। सीता और कपूर में एक दूसरे की तकलीफ देखकर सहानुभूति जन्म लेती है। दोनों एक दूसरे की जरूरत को समझ कर शादी कर लेते हैं। दोनों की शादी को बच्चे स्वीकार नहीं करते। सिर्फ घर का नौकर कमाल इसे सही कदम बताता है। नाटक का उद्देश्य घर में उपेक्षित बुजुर्गों की समस्या को उठाना है। कलाकारों के शानदार अभिनय का दर्शकों ने तालियां बजाकर अभिनंदन किया। नाटक में कर्नल कपूर की भूमिका प्रताप जायसवाल, सीता देवी की भूमिका अलकाइरा हाशमी, स्वामी की भूमिका संजीव राय, मंदा की भूमिका तान्या एनी दास और कमाल खुर्शीद की भूमिका इकराम ने निभाई। मुख्य अतिथि बिथरी विधायक डा. राघवेंद्र शर्मा, शायर प्रो. वसीम बरेलवी, अपर आयुक्त अरुण कुमार, एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, गुरु मेहरोत्रा, सुरेश सुंदरानी, डा. एसबी गुप्ता, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार, डा. रीटा शर्मा, इंदू परडल, निशांत अग्रवाल आदि मौजूद रहे।